4. मात्रा ज्ञान

मात्राओं का उचित ज्ञान भाषा लेखन तथा उच्चारण की एक महत्त्वपूर्ण कड़ी है। प्रारंभिक स्तर से ही यदि बच्चे मात्राओं का सही उच्चारण और लेखन भली-भाँति सीख जाते हैं तो भाषा पर उनकी पकड़ मज़बूत बनती जाती है।

- शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को बताएँ कि मात्राएँ स्वर वर्णों की होती हैं, जिन्हें व्यंजन वर्णों पर लगाया जाता है।
- बताएँ, 'अ' स्वर सभी व्यंजनों के साथ शामिल रहता है पर उसकी कोई मात्रा नहीं होती। 'अ' के बिना सभी व्यंजन आधे होते हैं, जैसे-क् (क), ख् (ख) आदि। बाकी सभी स्वर अपने मात्रा रूप में व्यंजनों के साथ जुड़ते हैं।
- एक-एक कर सभी मात्राओं से बच्चों को परिचित करवाएँ। प्रत्येक मात्रा की बनावट बनवाएँ तथा उन्हें वर्णों पर लगाकर वर्ण का मात्रा युक्त उच्चारण पहले स्वयं करें तदुपरांत बच्चों से करवाएँ।
- सबसे पहले बताएँ कि 'आ' की मात्रा वर्ण के पीछे एक सीधी रेखा '**ा**' के रूप में लगाई जाती है। आ की मात्रा के शब्दों का उच्चारण करवाएँ तथा पुस्तक पृष्ठ पर दिए चित्रों की पहचान करवाकर शब्द पूरे करवाएँ।
- '**इ-ई ि ी**' की मात्रा समझाने के लिए बताएँ कि इ की मात्रा 'ि' वर्णों के आगे तथा ई की मात्रा 'ी' वर्णों के पीछे लगाई जाती है। इ-ई की मात्रा वाले शब्दों का उच्चारण करवाते हुए पृष्ठ पर दिए उचित स्थान पर अभ्यास करवाएँ। बच्चों को इ-ई की मात्रा युक्त शब्दों के उच्चारण का भेद स्पष्ट करते हुए दोनों मात्राओं वाले एक-एक शब्द पहले स्वयं बोलें तदुपरांत बच्चों से बुलवाएँ। दोनों मात्राओं के उच्चारण में लघु तथा दीर्घ ध्वनि अंतर को समझाएँ।
- प्रत्येक बच्चे पर ध्यान दें कि वह यह मात्रा अंतर भली-भाँति समझ पा रहा है या नहीं।
- इसी प्रकार बताएँ, **उ-ऊ** की मात्राएँ 'ु ू' वर्णों के नीचे लगाई जाती हैं। फिर पृष्ठ पर दिए चित्रों की पहचान करवाएँ और उनका नाम उच्चारण करवाते हुए मात्रा अभ्यास करवाएँ। लघु और दीर्घ मात्रा ध्वनि के द्वारा उ-ऊ का मात्रा अंतर करवाएँ।
- **र** में उ-ऊ की मात्रा अन्य वर्णों की तरह नीचे न लगकर र के पेट में या वर्ण के बीच में लगाई जाती है, इसका भी अभ्यास करवाएँ। जैसे - रु, रू।
- इसी प्रकार अन्य मात्राएँ ऋ, ए-ऐ, ओ-औ तथा अनुस्वार ं और चंद्रबिंदु ँ मात्राओं की बनावट, वर्णों पर कहाँ लगाते हैं तथा मात्रायुक्त शब्दों का उच्चारण करवाएँ।
- बीच-बीच में बच्चों की रुचि बनाए रखने के लिए आस-पास की वस्तुओं या रोज़मर्रा के जीवन से जुड़ी वस्तुओं के नामों का उच्चारण करवाते हुए मात्राओं के बारे में बच्चों से जान सकते हैं।
- अभ्यास करवाने में बच्चों की यथोचित सहायता करें।